University in News on 28 February 2020

Amar Ujala- My City Page 5

एमएड के छात्र सीखेंगे दिव्यांगों को पढ़ाने का बेहतर तरीका

शिक्षाशास्त्र विभाग समावेशी शिक्षा को करेगा कोर्स में शामिल

माई सिटी रिपोर्टर

इसके साथ ही हैप्पीनेस व खुद को जानने की भी होगी पढ़ाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के एमएड प्रथम वर्ष के छात्र अब समावेशी शिक्षा का भी पाठ पढ़ेंगे। ताकि वे आगे बतौर शिक्षक दिव्यांगों को कक्षाओं में बेहतर तरीके से शिक्षित करें। इसके साथ ही एमएड दूसरे सेमेस्टर में हैप्पीनेस, अंडर स्टैंडिंग द सेल्फ व लॉन्ग लाइफ लर्निंग पर भी पेपर शुरू किए जाएंगे। विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग की बोर्ड ऑफ स्टडीज ने बृहस्पतिवार को इस पर अपनी मुहर लगा दी।

विश्वविद्यालय द्वारा तैयार पाठ्यक्रम के अनुसार समावेशी शिक्षा के तहत विद्यार्थियों को दिव्यांग विद्यार्थियों को संवेदनशील तरीके से शिक्षित करने व भावनात्मक रूप से जुड़ने, उन्हें पढ़ाने के, समझाने के तरीकों के बारे में विस्तार से पढ़ाया जाएगा। अगर कोई बच्चा ऑटिज्म से प्रभावित है तो उसे कैसे पहचानेंगे? यह सब एमएड प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर में विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम का हिस्सा होगा। इसके साथ ही एमएड तीसरे सेमेस्टर में हैप्पीनेस से जुड़े पेपर शामिल किए गए हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. अमिता बाजपेई ने कहा कि भारत और पश्चिम में हैप्पीनेस के अलग-अलग मतलब हैं। आज हमारे बच्चे वर्चुअल गेम आदि के माध्यम से खुश हो रहे हैं। जबकि यह वास्तविक खुशी नहीं है। हमें अपने परिवार, समाज के साथ मिल-बैठकर जो खुशी मिलती है। वही वास्तविक है। हमें विद्यार्थियों में इसका मूलभूत विचार पैदा करना होगा। पाठ्यक्रम में इससे जुड़ी उपनिषद, गीता, बुद्ध दर्शन से जुड़ी चीजें शामिल की गई हैं।

उन्होंने बताया कि अंडर स्टैंडिंग द सेल्फ के पेपर में हम बताएंगे कि व्यक्ति क्या है और लोग उसके बारे में क्या सोचते हैं? लोग क्या सोचते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण नहीं है। किंतु हम अपनी क्षमता को पहचान कर अगर कोई गोल तय करते हैं तो उसे जरूर प्राप्त करते हैं। ऐसा होगा तो लोगों में डिप्रेशन, फ्रस्ट्रेशन नहीं बढ़ेगा। वहीं लॉग लाइफ लर्निंग में यह बताने की कोशिश की जाएगी कि पढ़ाई सिर्फ डिग्री प्राप्त करने का जरिया नहीं है। अपनी खुशी, अपने आनंद के लिए भी पढ़ाई करें। प्रो. बाजपेई ने बताया कि शुक्रवार को फैकल्टी बोर्ड की मुहर के बाद इसे एकेडमिक काउंसिल में भेजा जाएगा। जहां से हरी झंडी मिलने के बाद यह पाठ्यक्रम का हिस्सा बन जाएगा।

NBT Page 8

इंक्लूसिव एजुकेशन की परिभाषा सीखेंगे छात्र

एलयू के एजुकेशन विभाग के छात्रों के लिए जोड़े गए चार कोर्स

■ **एनबीटी, लखनऊः** लविवि की बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक गुरुवार को हुई। इसमें सभी विभागों के पीजी छात्रों के लिए तीन चॉइस्ड बेस्ड कोर्स शामिल किए हैं। वहीं एमएड के प्रथम सेमेस्टर के लिए एक अनिवार्य कोर्स शामिल किया है। वहीं, एमएड के छात्रों के लिए एक इंक्लूसिव कोर्स शामिल किया गया है, ये उनके लिए अनिवार्य है। जिसमें उन्हें दिव्यांग छात्रों को शिक्षण और प्रशिक्षण कैसे करना है? यह पढ़ाया जाएगा। उन्हें किसी अलग स्कूल में न पढ़ाकर नार्मल बच्चों के स्कूल में कैसे पढ़ाया जाए इस पर ये कोर्स होगा।

पीजी के लिए क्या हैं तीन क्रेडिट बेस्ड कोर्स ?

एजुकेशन फॉर हैप्पीनेस : इसके जरिये हम छात्रों को वास्तविक खुशी का कॉन्सेप्ट पढाएंगे। बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्यों के मुताबिक बच्चों का खुश रहने का नजरिया बदल चुका है। बच्चे वर्चुअल रिएलिटी (आभासी सच) में खुश रहते हैं। वास्तविक खुशी से दूर हो रहे हैं। ऐसे में उन्हें परिवार और दोस्तों के बीच खुशी तलाशने के टिप्स दिए जाएंगे।

अन्डर स्टेंडिंग द सेल्फः इस कोर्स में खुद को अपने नजरिए से देखने की कला सिखायी जाएगी। यह कोर्स अपने आपको जानने का (रियल सेल्फ) का एक मौका देगा।

लाइफ लांग लर्निंगः लर्निंग केवल हमारी डिग्री लेने के लिए नहीं होती है। एजुकेशन डिग्री के पीछे अक्सर एक ही धारणा होती है आगे चलकर पैसा कमाना। लाइफ लांग लर्निंग में ये बच्चों को वो पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा जो उन्हें अच्छा लगता है।